Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री खाटू श्याम जी एकादशी पूजा विधि ॥

संकल्प, पूजन और पारण का क्रम

एकादशी व्रत-पाठ के लिए सरल मार्गदर्शिका

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री खाटू श्याम जी एकादशी पूजा विधि ॥

सामान्य भक्त-परंपरा पर आधारित सरल विधि।
एकादशी की तिथि और पारण के लिए अपने स्थान का पंचांग देखें।

१. एकादशी की तिथि और पूर्व तैयारी

अपने स्थान और परंपरा के अनुसार पंचांग में एकादशी का दिन तथा द्वादशी का पारण समय पहले देख लें। दशमी को पूजा स्थान और सामग्री तैयार रखें। परिवार की व्रत-परंपरा समझकर अपनी क्षमता के अनुसार उपवास या फलाहार का संकल्प लें।

२. पूजन सामग्री

बाबा श्याम का चित्र या विग्रह, स्वच्छ चौकी और वस्त्र, जलपात्र, दीपक, बाती, धूप, रोली या चंदन, पुष्प तथा भोग रखें। अपनी परंपरा के अनुसार तुलसी दल, फल, मिश्री या मेवा रख सकते हैं। सामग्री अपनी सामर्थ्य के अनुसार चुनें।

३. स्नान और संकल्प

एकादशी की सुबह स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। चौकी पर बाबा का चित्र रखें और हाथ जोड़कर प्रणाम करें। मन में कहें कि यह पूजा और व्रत श्रद्धा, संयम तथा सबके कल्याण की भावना से कर रहे हैं। अपनी भाषा में सरल संकल्प कर सकते हैं।

॥ जय श्री श्याम ॥

॥ श्री खाटू श्याम जी एकादशी पूजा विधि ॥

सामान्य भक्त-परंपरा पर आधारित सरल विधि।
एकादशी की तिथि और पारण के लिए अपने स्थान का पंचांग देखें।

४. ध्यान और पूजन

श्रीगणेश और अपने इष्ट का स्मरण करके दीपक तथा धूप जलाएँ। श्रीहरि और बाबा श्याम के कृपालु स्वरूप का ध्यान करें। चंदन या रोली, पुष्प तथा माला अर्पित करें। चित्र की पूजा में उसके सामने पुष्प और जलपात्र रखें।

५. मंत्र जाप और कथा-पाठ

ॐ श्री श्याम देवाय नमः मंत्र का शांत भाव से जाप करें। सुविधानुसार ११, २१ या १०८ बार जाप कर सकते हैं। इसके बाद श्याम चालीसा, स्तुति या कथा पढ़ें। अपनी परंपरा के अनुसार उस एकादशी की विशिष्ट व्रत कथा का पाठ भी करें।

६. भोग निवेदन

स्वच्छ पात्र में अपने व्रत और पारिवारिक परंपरा के अनुकूल फल, मिश्री या मेवा रखकर बाबा को भोग अर्पित करें। तुलसी दल चढ़ाने की परंपरा हो तो उसे भी अर्पित करें। भोग और अपने फलाहार में कौन-सी सामग्री मान्य है, यह पहले स्पष्ट कर लें।

॥ जय श्री श्याम ॥

॥ श्री खाटू श्याम जी एकादशी पूजा विधि ॥

सामान्य भक्त-परंपरा पर आधारित सरल विधि।
एकादशी की तिथि और पारण के लिए अपने स्थान का पंचांग देखें।

७. आरती और प्रार्थना

श्री खाटू श्याम जी की आरती करें। हाथ जोड़कर भक्ति, सद्बुद्धि, धैर्य और करुणा की प्रार्थना करें। पूजा में हुई भूल-चूक के लिए क्षमा माँगें। उपस्थित परिवारजन अपनी व्रत-परंपरा के अनुसार प्रसाद ग्रहण करें।

८. दिनभर नाम-स्मरण और संयम

दिन में समय निकालकर नाम जाप, कथा, भजन या शांत ध्यान करें। वाणी में मधुरता रखें और अनावश्यक विवाद से बचें। सेवा और सहायता की भावना रखें। उपवास का स्वरूप अपनी क्षमता और परंपरा के अनुसार रखें; निर्जल उपवास लेना अनिवार्य नहीं है।

९. द्वादशी को पारण

व्रत खोलने को पारण कहते हैं। द्वादशी में अपने स्थान के पंचांग और परंपरा में दिए पारण समय का पालन करें। बाबा को प्रणाम करके व्रत पूर्ण होने की प्रार्थना करें और परंपरा के अनुसार पारण करें। किसी दूसरे शहर का समय अपने लिए निश्चित न मानें।

॥ श्री खाटू श्याम जी एकादशी पूजा विधि सम्पूर्ण ॥